दिनांक 6 सितम्बर, 1985

सं. ग्रो.वि./ग्रम्बाला/66-85/36692--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं (1) परिवहन ग्रायुक्त, हिरियाणा, चण्डीगढ़, (2) जनरल मैनेजर हरियाणा, हरोडवेज, कैथल, के श्रमिक श्री ग्रवध बिहारी तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल बिवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इस लिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिन्यम, 1947, की धारा 10 की उप धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिस्चना सं 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 ग्रंगल, 1984, द्वारा अकत ग्रिधिन्यम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, ग्रम्बाला, को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में वेने हेतु निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उनत प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री अवध बिहारी की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. म्रो.वि./ग्रम्बाला/112-84/36699.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै. मुख्य कार्यकारी, हरियाणा राज्य सहकारी श्रम एवं निर्माण संघ चण्डीगड़, के श्रमिक श्री लखमी चन्द तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इस लिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद श्रिवितियम, 1947, की धारा 10 की उप धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिस्वना सं. 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 ग्रेप्रैल, 1984, द्वारा उक्त ग्रिधितियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, ग्रम्बाला, को विवादग्रस्त या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त, मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है :---

क्या श्री लखमी चन्द की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

संस्रो वि. श्रम्बाला / 62-85 / 36705. — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल को राय है कि मैं. (1) परिवहन स्रायुक्त, हरियाणा, चण्डीगढ़, (2) जनरल मैंनेजर, हरियोणा रोडवेज, कैथल, के श्रमिक श्री राजेन्द्र कुमार तथा उसके प्रवन्त्रकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई स्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं।

इस लिए, प्रव, प्रौद्योगिक विवाद प्रियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा 10 की उप वारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रधिसूचना सं. 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 ग्रप्रैल, 1984 द्वारा उक्त ग्रिविनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, ग्रम्बाला को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री राजेन्द्र कुमार की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. ग्रो.वि./ग्रम्बाला/43-85/36739.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. (1) परिवहन ग्रायुक्त, हरियाणा, चण्डीगढ़ (2) जनरल मैंनजर, हरियाणा रोड़बेज, कैथल के श्रमिक श्रो राममज तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हैंतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, अौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 3(44)84-3-अम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984, द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित अम न्यायालग, अन्त्राला, को विवादप्रस्त या उसते सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देते हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादप्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा संबंधित आमला है:—

क्या श्री रामभज की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?